कॉलेजों को मिलेगा दो वर्ष का प्रोविजिनल एक्रीडिटेशन

चर्चा में क्यों?

16 मार्च, 2022 को आयुक्त, उच्च शिक्षा दीपक सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद ने कॉलेजों की मूल्यांकन प्रक्रिया में बदलाव किया है। अब जिन महाविद्यालयों ने स्थापना के एक वर्ष पूर्ण कर लिये हैं, उन्हें प्रोविजिनल एक्रीडिटेशन मिलेगा।

प्रमुख बिंदु

- दीपक सिंह ने यह बात सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्रोविजिनल एक्रीडिटेशन प्रशिक्षण पर एकदिवसीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए कही।
- उन्होंने कहा कि किसी भी शैक्षणिक संस्थान के ओवरऑल परफॉरमेंस के मूल्यांकन के बाद नैक **(NAAC)** एक्रीडिटेशन मिलता है। नए स्थापित कॉलेजों के लिये पैक **(PAC)** एक अच्छी पहल है।
- उन्होंने प्रशिक्षण में आए हुए भोपाल एवं सागर संभाग के महाविद्यालयों के प्राचार्य और प्राध्यापकों को अपने-अपने महाविद्यालय को नैक मूल्यांकन के लिये तैयार करने का निर्देश दिया। प्रशिक्षण में 55 महाविद्यालयों के 110 प्राचार्य और प्राध्यापक शामिल हुए।
- उल्लेखनीय है कि प्रोविजिनल एक्रीडिटेशन का प्रशिक्षण भोपाल, उज्जैन, जबलपुर तथा ग्वालियर में दिया जा रहा है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/colleges-will-get-provisional-accreditation-for-two-years